A.C. Joshi Library
P.U. Chandigarh

MSS No. 248 Subject Philosophy

Name of MSS भड्डली Bhaddali

Author

Period Folios 25 (00a + 001 to 024)

Script Hindi Source Prithipal Singh

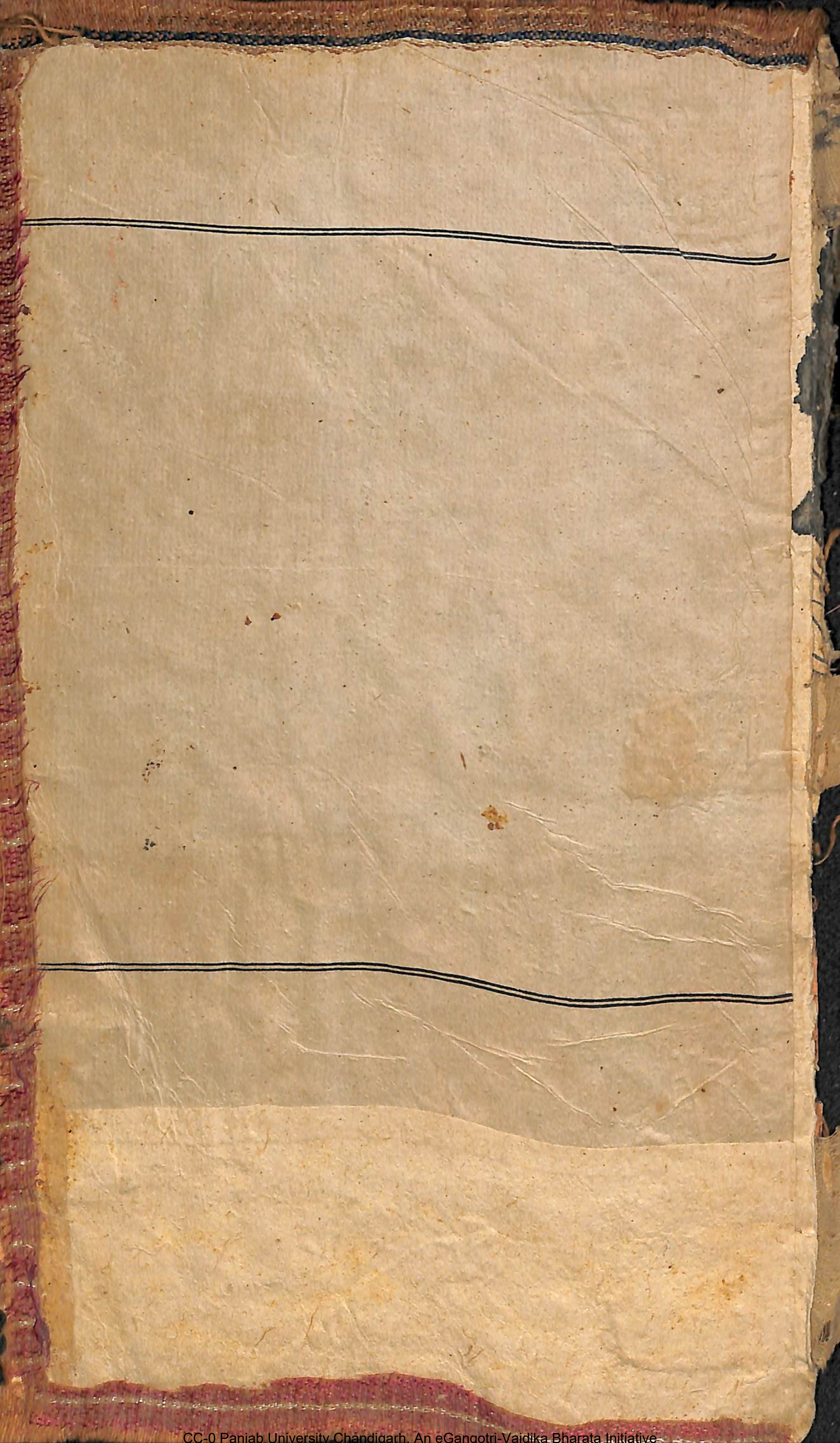
Missing Folios

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

248

248

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative



CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

2478



CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

248

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

अथ भडुली लिष्यते दो॰ मेतु अग्यान लसहु कछे ग्रह नखत्र चारि त्त मेहमालत हि विनि
सुणन लिषि रकारि चित्त १ अ॰ ३ कुजर अभडुली स्त्री आगे कहे छे मेतरे ग्यानसहु विचा
र कह्या ग्रह नक्षत्र मेरघ सुकाल दुःकाल की वात सुणहे भडली मन थिर करवे दो॰ कती २
मासे मेण लेजोर हुप्ल वन्न तो जाणि जे भडली जल धर बरसे पुन्न २ कात्तिक सुदि १२ के
दिन चंद्रमा लाल रहे तो मेघ घणा बरसे तिस दिन गर्भ रह्या जाणीये दो॰ कती मावस
धर करी वेसाहां पजेत राहणपिण जोन विगले पूरा गर्भ निमंति दो॰ काती मावस लो
केवेसा षतो ईया गहे वीये जे राहिणी मे नवे षे तो यण पूरा जाणीये राहणी मे वर्षे तो ग
र्भ गल्या जाणीये दो॰ मूकंपणतारा पडे नरजो विपाहण बुठ केनु आणरविशशि ग्रह गीता
ण डुकानि हो इस रि ठ ४ जिण नरवत मे भडली काई हो इअरि मव तिहां न वरषे अबुह र
वि सो आणे नु बुलिवव ५ दो॰ जिस नक्षत्र मे काई अरि होवे तो धरती कंपे तारा पडे धूल पाध ए
रको वर्षा होवे गाला पडे केतु चडे चोटी वाला रक्ता रावडे सर्प्प मेंग्रहण होवे एवा कोि
सनक्षत्र मे होवे मेघ न पडे दो॰ तेरस चौ पारस नवमी येस सप्तम पंचम तिजा कती धुर ३
कर जोई ये ग्यारुवे साई विजा ६टी कात्तिक वदि १२ मे घर व वदि ११ पोष वदि ६ माघ
वदि ७ फालुण वदि ५ चैत्र वदि २ इन्हां ना मे विजुली होवे तो गर्भ रह्या जाणीये श्राव
दि

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

१ तेबरखमेवर्षाघणीहोवैजोवादलहोवैतोभीवर्षाहोवै टी॰ अर्ह्ठ्याएहैदिवसवुणजेघणावि
हननहोइ तोजाणीयेअवर्षणोचिरलोजीवेकोइ ७ टी॰ अथवाइन्हादिन्हांमेमेघनहोवै॥
गाजवीजुनहोइ तोअवरसणजाणीयें आवतेसमेवर्षाथोडीहोइ टी॰ कातीमासगर्भजेछै
याअसाढमेंअकरवरसेमाया मार्गशिरपंचममेघाउंवरतोवरसेसारोसंवत्सर ८टी॰ कार्त्तिक
शुदि १२ दिनैगर्भहोइछायावादलहोइअसाढलागतेमेहवर्षैमार्गशिरवदि ५ केदिनवादल
होइघटाटोपहोइतोसारावर्षेवर्षैतोजाइ टी॰ कातीमासेंबारसैंमार्गशिरदशमीमाहपोषमा
माघ सकीपंचमीसातममाहिनहोल ९ जेवर्षैविद्युतबिवेग्रहउन्नमणाकरेइ मासेंचारापावर्से
धाधरवसरसेइ १॰ टी॰ कार्त्तिकवदि १२ दिनमार्गशिवदि १॰ पोषवदि ५ माघवदि ७ तिथदेषी
येइनदिनोंजोमेघवरसैविजुलीवादलहोइ तोचारमासवरसालाकावरसुताजाइ जुवा
नोवहुनुसपरोहावे टी॰ दिवालीथीपंचमीसुधजेहोसेंवार वरसैचरसालातणोजोइसीवा
हेविचार ११ दशाविश्वारविचारहोइविंशतिसोमेंवार मंगलेअवहूरश्बुधेसितसतगुरु
अगार १२ टेवसेयोगैविहवसैजेशनुवारजुहेभड्डलीजिसवारहोवे तितनेविश्वेसमाका
हाये कार्त्तिकशुदि ५ रविवारहोइतोदशांविश्वेसमाकाहोयेंग्ररुदशपंसेरीअन्नविके
रुपयेका सोमवारीतेवीसविश्वेकाहोयेवीसपंसेरीअन्नविके मंगलवारीतेअगविश्वे
होकरलसतकेधणामरैलोकनजीवेकोई १३ अथकार्त्तिकशुदि ५ कोविचार टी॰ दिवाली

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

अथ माघफलं दो माघमासजोहिमपडैवरसैविजुषिवेइ तोजाणीयैंमंडउलीवरसैपुन्नकरेइ १टी
· माघमैजोघणासीतपडैमेघबाजुहोवै तोश्रावतोसमोषरोवर्षोघणीहोसी दो माघमासजेसप्तमी
जेपडसीनुसिवाइ तोजाणजैमंडउलीसंघैंसुछपड़ाइ २टी· माघसुदि७केदिनवादलछांटाहोइ तो
श्रावतोसमोमंडउलीहोइ दो· माघसुदिसातमिऊगतजोनवदीसैभाण तोवरसैघणामंडउलीदशदि
नत्रेपखाण ३टी· माघसुदी७कैदिनैवादलांमैंरविऊगैदिषाईनदेह तोमंडउलीजाणीयेंपंचावनदि
नाईवर्षावरसकालेमांहिहोसी दो· माहीपडिवाऊजलीवादलवाउकरेइ तेलअनैसुरहासवेसुंहगी
जण २लेइ ४टी· माघसुदी१दिनैवादलवायुहोवै तोतेलाजसस्ताहोवेसमोषरोहोइ दो·
महीबीजजुऊजलीवादलगाजसुणेइ गेहूजवसंचाकरोमहंगाहोसेंचेइ ५टी· माघसुदि
२केदिनवादलगाजहोवैतोगेहूंजवकासंचाकीजेजवगेहूंदोनोमहिंगोहोवैछठेमास
लाभहोवै दो· माहचवथेऊजलीवादलगाजनुहोइपानअनैनालेरजासुहंगाहोताहे
इ ६टी· माघसुदी४दिनैवादलगाजहोवै तोपाननालेरसस्ताहोवै दो· माहीपंचमिऊजलीवाजेउत्त
रवायु तोजाणीयैंभाद्रवैजलावनुकोरोजाइ ७टी· माघसुदी५केदिनउत्तरकीवायुचलेतोभाद्रवैं
मेघनपडै दो· माहीछठगाजनगाजीयोमहिंगाघीउकपास सातमकीधीनिर्मलीतोमन्न

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

नै र केहोआस ।४। मेघसुदी ६ दिनै जो वादल न होइ तो भादो मै घृत कपास महिंगा होवै जो
माघसुदी ७ निर्मली होवै तो श्रावन तो समो निपरो होवै समै की आस कोई नही दो० चंदेगो
है २ निर्मलो तो राइ दुख विनाश आवन आ भो छाई थो रविजल ऊपो आस ।६। दो० माघसुदि ८ की
रात्रि चंद्रमा निर्मलो ऊगै तो राज विनाश छत्र भंग होवै अथवा चंद्रमा वादलो सहित
उगै तो मेघ वहुत होवै दो० माही नवमी शशि हर हि पापल होइ परिपास तो असाढ
न अवरसु णो मत करैं गिणत विसास ।१०। दो० माघसुदी ९ के दिन चंद्रमा पास कुंडलो हो
इ तो सर्व असाढ कोरा जाइ ज्योतिकी ले गिणत मै विस्वास मति करैं दो० माही पूनम
निर्मली तो सुहिंगो असाढ कणवेची कव्जे करो आजैं दाम मम काढ ।११। दो० माघ १५ न
निर्मली होइ तो असाढ मै अन्न सुहिंगो होइ कण कचेच वैसो कीजै आजी पै समति
लीजै दो० माही पूनम वादलो जिण र पहर करेइ वरसालै तिस मास मे जलधर न
व वरसेइ ।१२। दो० माघ १५ रे दिन जिसर पहर वादल होइ तो वरसाले मै तिसो मास
मै मेघ न होइ चौ० माही पूनम सकली निर्मल चार मास होइ सकल गाल गाल जिण
र पहरैं दीषै वादलो तिण र मास स कछो डै आ ।१३। दो० माह अंधारी नवमी वीज मेघ

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

हिमहुंति चारमासबरसैघणोमकरैंकांईभ्रांति १४ दी॰ माघवदि ९॰ दिनैंमेघवीजु
लीहोवेसीतपातोजम्मे चारमासवरसालारामांहिघणोमेघवरसैमनमेंकोई
संयमनिकरो श्लोकः माघमासेसितेपक्षेसप्तम्यांसोमवासरे दुर्भिक्षंजायतेरौ
द्रेभूपतीनांचविग्रहो १५दो॰ आदितवारैंपुष्पनक्षत्रेन वमीजेतिथिहोइ लालाहो
वैचौगुणाकहैभडुलीसुणलोइ ११दो॰ नवमीअंधारीमाहनीमूलनक्षत्रगडजे
२ भाद्रवकेरीनवमीजलथलजलरलेइ १२दी॰ माघवदी९ दिनेमूलानक्षत्रहोइ
तिसमेगाभैरहैतौभाद्रवशुदि९दिनेअखंडमेघपडे दो॰ माघअमावसगाजीयेजे
किमसोमेवार भाद्रवकेरीपूनमेंवरसेप्रहरचुवार १८दी॰ माघवदि३॰दिनेगाभे
रहेजेकदाचित्सोमवारहोइतोभादौंकीपूनमकेदिनेचारप्रहरअखंडमेघवरसे
दिनबत्तीस १९दी॰ पोहरी॰ दिनेजोमेघवर्षैवादलाहोवैवीजुलीहोव भादौंवदि
१२दिनेमेघघणापडे माघसातमकेदिनगाभैरहैतोआसमेवत्तीदिनताईमेघ
वरसे दी॰ माहीसातमकागुणपंचमिचैत्रबीजवैशाखेएकम इणतिथमेंजो।

दूजा

नं. २

आभोगछेदामङ्गोणसवायोलछे २ टी॰ माघगदिनैफाल्गुणदीपदिनचैत्ररीइवैशाखरी
दिनेजोआभोगछेद्रामङ्गोणसवायोअनाजनेसवायोनफोहोइ अथफाल्गुणमास
फलं दो॰ फाल्गुणमासेंपरपवनवायेंमारकरंत तोजाणेजोभइउलीवङेगङ्गनिष्प
ति टी॰ फाल्गुणमेंपवनवाजेघणीतोनिश्चेगर्भरह्याजाणीये दो॰ फाल्गुणपहिली
एकमेंजेकितीफाल्गुणहोइ तितीकालपरगगधणहासीपडीयेंलोइ २टी॰ फाल्गु
णरिदिनेजितनीघडीकृतिकाचतेमानहोइतनेविषेमेघहोइ अथचैत्रमासफलं
दो॰ चैत्रपडभरउनवकरैसलसहपवननहोइ तोजाणेजोभइउलीगङ्गविना
शनहोइ १ टी॰ चैत्रमासेंगाजवीजमेघपवननहोइचैत्रनिर्मलोहोइतोसमाभली
हो इहेभइउलीगर्भविगाडेकातोकोईओगुणनही चौ॰ चैत्रमासजेवीजलकोवे
घरवैरसावैकेसधोवे ज्येष्टमासजेजाइतपेतोकुणराखेघणहरखवरसंतो २टी॰
चैत्रमासलसकैनहीवैशाषलागेमेघहोइ ज्येष्टसारातपैतोमेघघणोवरसैं
दो॰ चैत्रमासेंगैगमणजोपहिलीतिथिहोइ तासोंफलाफलजोईयेणिउणहो

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

३विज्ञो।३ ३ वसलछंद वायुकाजेसूरवारेणश्रेमारोईतकरसोमपुत्रदुर्भिद्दीसैसेसुबैंश्र
नेसुरगुरैसैलधन्नपुहवीसलीजैश्रथवाकिमजोवद्दिपसैंजोरानिवारजुहोइसवज्रल
सोसेजणमरैंपुहवीरहैनकोइ ४टी॰ हेभडुली चैत्रवदिपडिवाकेदिनरविवारहोइतोवा
युघणीचलै मंगलहोइतोराजविग्रहहोइकरटकचालाहोइ बुधतेकालपडे सोम
शुक्रवृहस्पतितेसर्वभूममेधनधान्यधीलघणोहोइ श्रथवादेवसंयोगतेशनि
वारहोइतोभूमकातडागानदीकूपेकानिमाणकापाणीसोषेलोकचोपदमरैं प
थिवीमैहाहाकारहोवैदोचैत्रउजालेपष्पडेमेपथकीनवदीह जलश्राभांवीजल
पिवैतोकुरंवीमवीह ५टी॰ चैत्रसुदीमैमेषसंक्रांतिकेए दिनवीतेपरैंजेवर्षाहो
वैचिजुलीषिवैवादलहोइ तोबेतीवालाउरैनहीसमाघणाहोवैं दो॰ श्राद्रोप्य
कीनक्षत्रनववरसैमेहश्रनंत भडडलिभणुभारउकहैरहैजोहोइनिचिंत ६टी॰
चैत्रसुदिमेषसंक्रांतिघ्यकीलेकरनव ए दिनवरसैतोनवनक्षत्रवरसतंजाहि
तोश्रनंतमेघवरसैंहेभडुलीषेतीवालाचिंतामतिकरै दो॰ त्रिणश्राभाश्रधिक

न
४

कैसा दिससाची जाण साधनधन्नरसा वली भड्डली भली वषाण ७टी॰ तिण दिन
वादल घणो होवै तिण दिस कानी मेघ घणो होवै वादल होइ तो धनधान्य घणो होवै अ
पवैशाषफलं दो॰ वैशाहे अंधारी यें पड़िवा उन्नम्यो वरसे मेह उलो इ १टी॰ वैशाष
वदि १ दिन वादल होइ षिवै तो मेघ घणा होवे दो॰ वैशाहें जो घण करै पंचवन्नअा
यास तो जाणै जु पुन्नादि इ भड्डली नीर निवास २टी॰ वैशाषरे मासें मेघ होइ पंच
वर्णरो वादला होवैं नदी नीर निवाण पाणी घणो टिके दो॰ वैशाहें शुदि एक मे वा
दल बीज षिवेइ ग्राम ग्राण विराहिया चिन्ना न साष धरेइ ३टी॰ वैशाष दा १ दिनै वे
दल कर घटाटोप होइ षिवै तो धान संग्रह कीजे समानि षरो होइ दो॰ वैशाषे शुदि
दूज दिनै चंद्रमा री उत्तर कानी ऊंची होइ तो जाणि एह भड्डली इंद्र राजा आप आयो
छै भूमि मे वर्षा घणी होइ चौ॰ वैशाहा शुदि भडुली ग्पारस कुग्रह वादी से वारस तेर
स गाज वीज अगग्र जो करसी राजविदूर कै रोख वरसी ५टी॰ वैशाष शुदि ११।१२।
१३ दिन जो गाजै लस कै वादल कली पड़ै तो जाणि यें भड्डली राजविदूर होसी घ

त्रभंगहोसीकेकालपडसीगाथा फाल्गुपडवापंचमीबीजअभ्रप्रविज्जसजुत्ता वै
साहधवलपडिवागप्राणलरवणंएवे ६टी॰ फाल्गुणकीपडिवापंचमीकोपात्ताप
हैअथवाबादलकणीबीजसंयुक्तहोवै तोवैशाषसुदि१दिनेमेघवरसैतोगर्भ
रह्याजाणीयें दो॰ जेवैशाषीपूनमैमेहारंभकरेइ धानमाहिंगोभाइवैभडलीच
वनधरेइ ७टी॰ जेवैशाषीपूनमेगाजबीजबादलछोटाहोइ तौभादोंमेअन्नमहिंगा
होइ हेभडलितूंमेराकह्यासाचोमान दो॰ आश्विनवदिअमावसैजेआवैशनि
वार तिकोवर्षवहुरकरवरोकेविणदेशप्रकार ८टी॰ आश्विनवदि३॰दिनेजेश
निवारहोवे तौतिवर्षकरवरोहोइवैकिसीखंडमेकालपडे अथद्वादशमासचं
द्रमाउदयफलं दो॰ जेशशिऊगौसोमशनिएहअचंभोजोइ छत्रपडैदिनतीसमे
केकणमहिंगोहोइ ८टी॰ जेचंद्रमासोमशनिवारऊगैतोछत्रभंगादिनतीसमेअ
थवाअन्नमहिंगोहोइ श्लो॰ वारुणंपूर्वाषाढश्लेषाज्येष्ठोत्पजोम्पभं मूलसुतेशार
वारणुहस्यनेयदिचेद्रमाः १॰ राजविग्रहप्रनाकष्टंअश्वर्यक्षमलोनतले मासमध्ये

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

जे०
५

छत्रभंगास्प्रथवान्नेमहर्घोना ११ टी॰ शतभिखापूर्वाषाढाश्लेषाज्येष्टारेवतीभरणी
एनक्षत्रहांहि शनिमंगलवारहोइइनमेचंद्रमाचढै तोमासमेछत्रभंगाहोइवाग्र
न्नमहिंगाहोइ वाउपद्रवहोइ अथज्येष्टमासफलं दो॰ ज्येष्टैमासेंरवितपैजेवाजै
लूंवाइ ताजाणेंधणाजलहरेंमहवीनीरनमाइ १टी॰ ज्येष्टतपैलोवाचलैतोजाण
ायेंहेभड्डली पृथिवीमेपाणीमावैनहीइतनापडै दो॰ ज्येष्टमासतापैनहीमा
हनसीयलेजाइ तोजाणीयेंभड्डलीतूंईकेमविपाइ २टी॰ ज्येष्टतपैनहीलूंवा
जैनहींअरुमाघकैनहीनेसीतपडैनही तोजाणीयेंहेभड्डलीतूंईकेमन्मावैवर
षायोजीतेइ दो॰ ज्येष्ठउंत्रेतअमावसैंरविआथमनतेजोइ वीयेंचंदोरुगामेवलेंक
हेसीकोइ ३टी॰ ज्येष्टवदि३॰ दिनैसूर्यआथमतोदेखीयें दूजाकेदिनैचंद्रमादेषीयें
ऊगानोपछेतिणरोफलविचारीयें दो॰ उत्तमउत्तरचारीयोमध्यमपश्चमकाल
सूराहुंशशिदाहणेतोरौरवपडैदुकाल ४टी॰ बीजकेदिनचंद्रमादेषीयेंसूर्यने
उत्तरकानीऊगैतोभलो पश्चमकानीमध्यंकालपडै सूर्यतेदक्षिणकानीऊगा

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

तोमहादुकालपडै दो॰ जेगपूनममूलनहिअहवामेघनवुठग तोजाणीयेभडलीं।
कालनिरंतरदिरग टी॰ जेगकी।५दिनेमूलानहोइअथवामेघनवरसै तोजाणीयें
हेभडलीकालनिश्चेपडसी ज्येष्टकी।५दिनेमूलाहोइकणीहोइतोसमोभलोहोइ
दो॰ जेष्टैंमूलविणगगमेश्रावणसलिलनहोइ जिमश्रावणनिमभादवेनीरनिवा
णेजोइ टी॰ ज्येष्टमासेमूलामेघछांटाहोइ तोश्रावणरेमासैंअरुभादोमेवर्षानहो
इपाणीकठैनदीनिमाणपाईये दो॰ ज्येष्टमासअमावसेंवारशनैश्चरहोइ देवनव
रसैधणमरैछत्रभंगाभीजोइ टी॰ जेग३॰दिनेशनिवारहोइतोमेघनवर्षेबोपदम
रैछत्रभंगहोइ दो॰ जेष्टबीजैगाजीयोकेउयालेपाव गम्रगल्पाइमजाणीयेजोदूसी
दैसवसाव टी॰ जेष्टसुदि२दिनेगाजेविवेतोजाणीयेसर्वोल्पाज्योतकीइमसावदे
वे दो॰ जेष्टपहिलेपाखडैजोगाजेयगणेह थोडागोवलवासडाकहीयाडाकोतेह
ले टी॰ जेष्टकेपहिलेपष्यमेगाजेवाजे विवेतोबोपदजीवथोडाजीवैडघ्कृनेइमक
ह्योछे दो॰ जेष्टअंतवेदीहदाजेवरससेसोभडड नीरनिवाणपाईयेसमुद्रकेपडड १॰
टी॰ जेष्टकेअंतचौदशपूनमदिनेमेघवरसे तोहेभडलीपाणीनदीऊरसेसमु

द्रवारवंडुमेलाभै दो॰ जेष्टवीतेआषाढकीएकमदिनसवभाल जेअंवरघडहृ
डकरैनिश्चैपडैदुकाल ॥ असाढेंमूलनवरससीश्रावणअहछोजाइ इमजाण
१ येंभडलीसाखनिरंतरथाइ१२टी॰ आषाढवदि १दिनैगाजेगाडुवडआकासमेक
रै तोहेभडलीश्रावणभादोदोनोकोरेजांहिसाखदिनताईवर्षानहोवै दो॰ सभेग॰
लीरोहिणीनालेगलीयोमूल जेगीपडवाजेतथेतोजमेचारेचूल १३टी॰ सारीयां।
रोहिणीअरुमूलदोनोगले जेइकजेगीपडिवाआषाढवदि१तपैचोष्टमैषेती।
नीपजै अथआषाढमासफलं दो॰ आषाढेसिषराकरैवाजेउत्तरवायु तोजा।
णीयेंकातीयकीदशमेमासचियाइ टी॰ आषाढरेमाससिपरकरैगाजेवीजउत्त
रकीकानीवायुकहे तोजाणीयेंकातीहुंतीदशमेमाससूवैघणापाणीपडैइण।
लेषैश्रावणमेवर्षाघणीहोइ दो॰ आसाढीअंधारीयेंदशमीरोहणिथाइ तेनट
हुंतीभडलीदूरकरैघरजाइ २टी॰ आषाढवदि १॰दिनैरोहिणीहोइ तोहेभडली
नदीतटतेघरदूरकरैवर्षाघणीहोसी दो॰ आसाढीअंधारीयेंदशमीरोहिणिहो
इ घणवरसेकणभडलीकरभीछुहेनकोइ ३टी॰ आषाढवदि१॰दिनैरोहिणी ६

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

होइतोहेभडूलीमेघघणावरसैअन्नघणाहोइकोईनलवै दो॰ अथवाआवैग्यारसैंतौमध्यमसुकाल
जेकविआवैबारसैंतोरौरवपडैदुकाल ४टी॰ ग्यारसदिनरोहिणीहोइतोजमानोकरवरोहोइ जेवार
सनोहोइतोमहारौरवदुकालपडैनरपशुघणेमरैंरसकससवमहिंगाहोइ दो॰ रोहणमाहेंरोहिणीए
कघडीजेहोइ तोजाणीयेंभडूलीविरलोजीवैकोइ ५टी॰ तेरसकेदिनरोहिणीहोइतोवायुवाजैवा
ह्योउडुजाइमेघनहोइ चौदशकेरोहिणीहोइतोछत्रभंगकरैसमावकरवराहोइ अथआसाढमाहि
कालीरोहिणीकोविचारछै रोहणमाहेंरोहणीहोइएकघडीतोहेभडूलीमहाकालपडै कोई
विरलोजीवैकेतारपडैमहानक्षत्रतेरांतेरोदिनरहतेहैंसूर्यरोहिणीमेंज्येष्ठशुदिमेंतेरांदिनरहै
जिसदिनसूर्यरोहिणीमेंलष्टरांमेंआवैरोहिणीपरहमेसकेनक्षत्रोंमेंआवै दो॰ आषाढीखि
तपंचमीजोरववैसीवीज मुंडाफाडीविकणोएकरपावैवीज ६टी॰ आषाढसुदिपडिवैजो
विजुलीपिवैतोहेभडूलीमेघघणोहोसीवीजभमभेरलाईएअन्नघणानीपजै दो॰ आषाढ
वदिअष्टमीशशिऊगेसिहरेह चारमासजलवरससीजिमभांजरोगेह ७टी॰ आषाबदी ८
दिनैचेइमावारलोवीवचहैतोवरसालाचारमासमेघवरषै दो॰ आषाढसुदिनवमीदिनैऊ
गैनिर्मलसूर ओपहरैअमासरिससांऊंआमापूर ८ टी॰ आषाढसुदि९दिनैसूर्यनिर्मलोऊ

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

नं०
७

गैतोचारजामआभावादलागहराहोइतौसांझकेपहरघणाबादलागहराहोइतौजाणीयेंहेमऊउ।
मेघघणावरससी दो॰ आषाढांसितनवमीयेदक्षिणपूर्ववाउ वेचवलदोषरचकरिभुंई
नपीजपाउ ८टी॰ आषाढांसुदिनवमीयेबादलमाहेचंद तौनजाणीभऊउ॰गाघेनपावै
अन्न दो॰ आषाढांसुदिनवमीयेंकेबादलके बीजकोगीबरखंबेरकरिधरितीराषवी
ज दो॰ तौजाणीयेंभऊलीमासचारवरससेइ संसाकोईमतेकरोजेकोईहस्सेइ १॰टी॰ आ
षाढसुदिदसदिनेजोबादलोहोइबीजहोइगजेजाणीयेंमंभ दूलीचारमासवर्षनाजाइकोईसं
देहमनमेमतिकरो कोईहसैतोपद्याहसोनूंषतीजरूरकरु दो॰ आषाढांउजवालीयेपू
नमनिरषीजोइ रविवारेंबुधसायलीमंगलदृष्टनहोइ॥ गुरुशुक्रशशिवारशुभरागनसेक
णहोइ बारशनिश्चरजोमिलैविरलोजीवेकोइ १२टी॰ आषाढसुदि१५दिनेरविवारतेवर्षा
घणी बुधवारतेसीनलाहोवैबालकघणेमरें मंगलतेवर्षानहोइबृहस्पतिशुक्रसोमहो
इतौसमोभलोहोइरोगशोकथोडाहोइ जेशनिवारहोइतौकोईविरलोजीवेमहाकालपडै दो॰
आषाढीपूनमघणागाजेबीजलिषिवेइ नीचापरहरिऊंपजाइंगारासिषकरेइ १३टी॰ आषाढी
१५दिनेगाजेबिवेघणीपडैं तौघरउचोजाणाकीजेनीचेगारनेघरदूरिकीजेवर्षाघणीहोइ दो॰ ७

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

आषाढीपूनमदिनैशशिनिर्मलोवपाल तूंजाईवियमालवैकुंजासोसुसोसाल ॥१४॥ टी
आषाढीपनिर्मलीहोइचंद्रमानिर्मलऊगोबादलकणीन्नहोइतोहेभड्डलीकालपड़सी
तोतेहेभर्त्तः तूंमालवैजाइसोमैंसासुरेपरहरजाइसौ वस्तूछंद ऊंकूपूभणेनिश्रणगयग
मणाअसाढीपूनमदिनेऊगमंतशशिकसणबन्नो तोजाणेजोभड्डलीसाजदेसधंणर
बन्नो अहवाहुंतिसमुज्जलोनिर्मलबन्नकरेइ तोभाजेतिमहीनसुणिकहिकुणारख
करेइ ॥१५॥ टी० ऊंकवाहेहेभड्डलीतूंसुणअषाढीपदिनैचंद्रमावादलोसतोऊगोतोमघ
घणावर्षेधानधीणघणोहोइ अथवाजेनिर्मलऊगोतोपृथिवीडुलनीकाकोइराव
नसकेदो० आषाढीसुदिपूनमेपुचनउत्तरवाउ बाइसजवहुलोनरांमाथेदेसीपा
उ ॥१५॥ टी० आषाढीपदिनैजेपूर्वउत्तरकीवायुनवले तोकालपड़सीकाणलाघणोनरांकेमा।
थेपड़सी अथआषाढसुदि१पदिनध्वजाकोविचार चौ० मासअषाढीदेखोवेडसध्वजा
वाधकेदेखोपवनस जेतोवाजेपूर्ववायुनिश्चैजेअन्नवडुतसुखपाउ १६ अग्निकोणसों
आवैलीलापड़ेदुर्भिक्षसोखेखरनीला दक्षिणदिशवाजेजुसमीरातिसदिशमझिऊऊवल
वीरा १७ नैऋत्तकोणबूंदनहीपडैरावरंकसभमरैमरै पश्चिमसमोकरवरोजाणीयेहसी

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

२८

षनिरभयमनग्राण १९ वायवकोणपवनजबभरैरैटिड्डीमूसासबगुणकरे उत्तरईसान
धरधनवाजेषीरषंड्डप्रमनहुइगाजे १९ टिकीधुजारहेजोमंडसबपथिवीडोलेनवषंड
संध्यासमैइसकरोविचारकालसुकालतणाप्रचार २-टी- आषाढापदिनेध्रुजाबांध
केरबाये पूर्वबाउचलेतोसर्वभ्रमनेसुकालहोइप्रजासुषीहोइ अग्निकोणकीवायुते
कालपडेकणीएकनपडे दक्षिणकीवायुतेदेसमेसंग्रामघणाकरकचालाहोइ राजा
मांहोमांहिंजंगकरैं नैऋतकीवायुतेमेघनहोइरावरंकसबभ्रमामरे पश्चिमपवन
तेकहीकालकहींसुकालपडे कहींषतीहोइकहींनहोइ वायववायुतेडाटरोचालो
घणाहोइ टिड्डीमूसाकाताघणाहोइ उत्तरईशानकीपवनतेसमोभलोहोइप्रजासु
षीहोइ जोध्वजाथिररहैजोलेनहीतोनवषंडपथिवीडोलेइसकासंध्यानोविचारक
रणा इतिसंपूर्ण दो- आषाढीसुदिचांदनीछगगदिवसगाणिलेइ थिवेबीजआभाहु
वेसुभसुकनगणोइ २१ गाजैघोरैघहरै सिरकटेसिषरकरेइ नीचगैरतेडूंवजाऊं
चीगैरवंधेइ २२ दो- अषाढसुदिछदिनेबिवैवादलहोइतोषुभलजाणजाणबो
श्रेष्टगाजेघोरेसुभमेघघणावरसेनीचीगैरकीजे दो-ग्रहवासत्तमनिर्मलीखग्गम

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

वद्दलहोइ तोअसाढकोकतिकरिसावणपावसहोइ २३टी· आषाढसुदि ९ निर्मलीहोइ
आगमदिनबादलहोइ तोअसाढउत्तरेनुरतआवणमेवर्षाहोइ दो· अहवानवमीनि
र्मलीबादलकरैबियाल भाद्रवडैभरसावसीसरनीफूरैपाल २४टी· असाढसुदि
१० दिनसारोदिननिर्मलोहोइ सांऊनोबादलहोइ तोजाणीयेभाद्रवेभारीवर्षाहोइ ले
जगसवैफूरनिकलसी अथश्रावणमासफले दो· कांईचिंतातुरभड्डलीजेष्टवि
णजोमूल हूमेश्रावणपंचवेहाथ्यघलायोकूर १ टी· हेभड्डलीतेकांईचिंताकरे
छे जेष्टमेमूलविणसे तोश्रावणकीपंचकामेवर्षाहोइ तोसर्वदूषणदूरलेवर्षाघणी
होसी २टी· श्रावणवदुलचवछदिननिर्मलगेणकरेइ पमअगरांमध्यणजलमही
बलरेलेइटी· श्रावणवदि ४ दिनैअकासनिर्मलहोइ तोअगरोप्रहरमांहिमेघवरसेजलअ
थलएकहोइ दो· श्रावणपहिलीपंचमीजोनगरूकेयोबाल तेजांईपीयमालवेकुंजाऊंसमो
साल ३टी· श्रावणवदि ५ दिनैगाजेनहीअर्द्धरात्रिलगुतोकालपडेवर्षाथोडीभड्डलीकहे
हेभर्त्तातेमालवेजाइजेकूंपीहरजासोंमोसल दो· श्रावणपहिलेपष्यडेजेअश्विनीरलेइ
पडीयोकालसमुद्रकेरेजोइसीकहाकरेइ ५टी· श्रावणवदिअश्विनीमेजेवर्षाहोइ तोपड
याकालदूरकरैजोतकीनपूछीयेसमोनीपजैघणा दो· श्रावणवदिचवछदिनरविनदि

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

भ०
८ सैउगांति तोजाणीयेंभड्डलीघणात्रेवष्षवहुंति ६ टी० स्रावणवदि ४ दिनजोसूर्यैउगतोनदी
सैतोजाणीयेहेभड्डलीतीनवष्षदशदिनमेघवर्षेतोजासी दो० स्रावणवदिएकादशीती
ननक्षत्रजाणा रूतोकाहोवेकरवरोहिणिपरस्युकाल जोतिणआवेम्रगशिरैपडैप्रचिंत्यो
काल ७ दो० स्रावणवदिग्यारसैंयोगरोहिणीहोइ घणवरसैगोभड्डलीआसोसयजोय
लोइ ८ टी० स्रावणवदि ११ दिनेरोहिणीहोइतोहेभड्डलीमेघघणाहोइबेनीवालानेधायेदी
जै दो० जेपुनआवेबारसैतोमध्यमहीकाल जेपुनआवेतेरसैंतोरोरवपडैदुकाल ९ टी०
स्रावणवदि १२ दिनेरोहिणीहोइतोमध्यमकालहोइ तेरस्यदिनेरोहिणीहोइतोमहाकाल
पडैहाहाकारवर्त्ते अथभादोंमासफल दो० जेउजवालीभद्दवेपंचमिइनमेह तोजाणीयें
भड्डलीमेहंआयोछेह १ टी० भादोंसुदिपदिनेमेघनवर्षैतोहेभड्डलीमेघकाअंतआयोजा
णीयें दो० कांइचिंतातुरभड्डलीदेषनिर्मलोमांहिभाद्रवाजगारेलसीघ्रहवैअरणुसाह २
टी० हेभड्डलीतेकांइचिंताकरेछेमाघनोनिर्मलोदेषके छगदिनेअनुराधाहोइतोभादों
मेवर्षाहोइयारोजगारेलापलकरे अथग्रहनक्षत्रचर्चावर्णने दो० सुरगुरुबुधमेला
वडोजोकहीयेइकवेइ तोजाणोजोभड्डलीतईघणवरसेइ १ टी० वृहस्पतिबुधएकराशमेंआ
वैतोहेभड्डलीमेघघणावरससी दो० सुरगुरुनेबुधलेतीजोशशिहरहोइ तिहकालेमे ८

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

बुधकह्योपुहवैजलधरजोइ शुक्रबुधशशिएकठेहोइतौमैतुकैकह्योमेघघणापडै श्लो॰ एक
राशिगताः जीवितचंद्रमाधरणीसुतःबृहस्पतिस्तदातत्रतदाएकार्णवामही ३टी॰ मंगलगुरुश
शितीनोएकराशेंहोइतौवर्षाघणीहोइ श्लो॰ एकराशिगताह्येचभौमभार्गवसूर्यजा तदाभू
पाविनश्यंतिप्रजानाशहृयोभवेत् ४टी॰ मंगलभृगुशनिएकराशेंहोइतौराजेमरैप्रजासंपै
कालपडै दो॰ देवगुरुनैअसुरगुरुजोइकठाहवैति अकालैंहीभद्रवैकैनरवैकूकंत ५
टी॰ गुरुशुक्रजेएकठेहोंहितौंअकालभाद्रवहोइवर्षाघणीहोइराजामांहोमांहिदैप्रजादीजे
दो॰ असुहसुहजेपंचग्रहएकराशिमेहोइ तईयननराहिवकोमरैअहजलहरस्त्रतिजोइ टी
॰ एकराशिमेजेपंचग्रहएकठेहोंहिशुभग्रहवाअशुभतोछत्रभंगहोइ केकोईवडाराजामरै
अथवावडीवर्षाहोइ ३ दो॰ चतुरगामगलासितउगामणजेहुइश्रावणमास तोजाणेजोभ
उदुलीजनकोपायेनघास ७टी॰ श्रावणमैबुधऊगैवाशुक्रऊगैतोहेमंभदुलीवर्षाघणी
होइघासघणीहोइपीयकोईनसवै दो॰ जोमिन्नेसीकमवडोसीहस्वमिंनोजाइ तोजाणे
जोभडदुलीमुहवीनीरनमाइ ८टी॰ कर्कसंक्रांतिकेदिनवर्षाहोइतौभलीसिंहकीसंक्रां।

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

४७०
१० तिकेइनिवर्षोनहोइतोभलीतोइतनापाणीपड़ैपृथ्वीमेमावैनही टी० कर्कड़मलनन्हाई।
योसिंहतिसायेजाइ उत्रमलोश्रुणभड़ड़लीवलीयेनीरावैकाइसुगमअर्थछे ९टी० मुल।
मीनेपंचाइएअहवाभीनीपिव्व तोजाणीयेभड्डलीमेघनिरंतरदिव्व १०५० सिंहसंक्रांति
कोमुषभीजैनोजाणीयेंहेभड्डलीमेघनिनवर्षैगो टी० पछवाचलैसवद्दलीरंडमलाईवाइ
वहिउधलेविधनहिरहैवाहिवरसेविनुनहिजाइ ११टी वादलासेतीपश्चिमवायुचलेअ
ठरेडीमलईवावे तोसोउधलजाइमेघवरसेविनाजावैनही टी० जाणविवुधेवेअवहरषि
णउमायोअगाध तोजाणीयेभड्डलीपुहवीनीरअथ १२टी० अगस्तऊगेतेपहिलांजेमेघ
नहोइतोवर्षायोड़ीहोइ गाथा सुद्धगाहाविणव्वगाह जेशनिदाहिणजंति तोपुहवैहदत्रो
ल ड़ोछत्तैभंगकरंति १३टी० शुक्रग्रहविनाएकराशेंछेग्रहआवैंतोमहाभंगयोगकहणासो
गोलयोगकहीये प्रजाधीजेचोपदखपेपृथ्वीजमाडेमलहोवैछत्रभंगहोइ टी० आगेमं
गलरविरहैजेअरध्येभुंजेय तामुववर्षैअवुहरआनाचिपछेएह १४टी० सूर्यकेरथआगे
मंगलकारथहोवैसूर्यराशिआगेमंगलकीराशिहोवैसूर्यआगेमंगलहोवैतोम्हमिपर १०

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

एकाबूंद नपड़ैमनुष्यगुपाछानआवैतो लोमेघनबरसै दो॰ पाछेमंगलरविरहैजेआसाढ़े
जाइ बरसैनिहघणामुखत्तोपुहवैअन्नमाइ दो॰ सूर्यकेरथपाछेमंगलकारथहोवैआषा
ढमैतोअममैपाणीघणापड़ैअममैमावैनही श्लो॰ भानुरग्रेभूमिपुत्रोजलशोषःप्रजायते
भानुपश्चाद्भूमिपुत्रोवृष्टिर्भवतिभूयसी १६ दो॰ हेठशनैश्चरमध्यगुरुउपरधरणसुउय इण
योगैहैमहूलीविरलोजीवैकोइ १७ दो॰ नीचैशनिऊंगैवीचगुरआसेमंगलहोइ तोहैमहूल
लीमहूलीयोगकहीयैयहयोगहोइतोहैचकीममऊपरहोइचिरलोकोईजीवै दो॰ पुष्य
पुनर्वसुमृगशिरैतिहुउत्तरमाहेइ उन्हीयावरसैनहोयोगअंगारसेएह १८ दो॰ पुष्यपुन
र्वसुमृगशिरतीनोउत्तरोइनक्षत्रनदर्मेभौमहोवैतोअंगारीयोगकहीयै इसयोगमेएकक
णीनपडैपातीबारलहोइ दो॰ मीनशनिश्चरकर्कगुरुजेतुलमंगलहोइ गेहूंगोरसलसालघ
नाविरलोचाखैकोइ १९ दो॰ मीनकोशनैश्चरकर्ककोगुरुतुलकामंगलहोइ तोगेहूंघीषि
चावलघतविरलोकोईचाखैमहाकंतारकालपड़े चौ॰ मूलमघानेरोहिणीरवेपुष्यपु
नर्वसुजोशनिसेवैहइतोहइथाहोइब्रलंअम्बकंपकरैनवपंड दुपदमरैचोपद
संतावैइणनदोआमैजोशनिआवै २० दो॰ मूलमघानेरोहणीरवेपुष्यपुनर्वसुशनिसे

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

भा॰
११ वै हत्योहत्याहोइवुलांउंग्रनम्रकेपकरेनवर्षइ दुपदमरैवोपदसंतावैइणनदोजमैंडे
१शनिग्रावे मूलमघांराहिणीरेवतीतिष्यपुनर्वसुइनननक्षत्रैंजोशनिग्रावै तौमहाकं
तारकालपडैसारीभूमचलाचलहोइनवर्षइमैनरग्रन्नदीपैपवेजोपदसवलकोई
जीवै दो॰ जिणवारेरविसंक्रमेतिणहीमावसहोइ षप्परहच्छामेदिनीविरलोजीवैकोई
२१टी॰ सूर्यकीसंक्रांतिजिसवारीहोइतिसीवारग्रमावसहोइ तौसारीभूमषप्परहाथले
केफिरेकोईविरलोजीवैग्रन्नमाहिंगाहोइ २२ चो॰ उत्तरतीनविसाहचवच्छीग्रनैपुनर्व
सुरोहणघवडी ग्राजायेजुग्रमावसग्रावैतांधणधनइलेनसमावै २३टी॰ तीनोउत्तरा
विशाषापुनर्वसुरोहिणीग्रइंइनांनक्षत्रैंजेग्रमावसहोइ तौभूममेधानधीणघ
णाहोइसर्वलोकसुषीहोइ दो॰ शनिग्रादित्तेमंगलैंपोषग्रमावसहोइ द्विगुणात्रिगु
णाचोगुणाकणतेकवइाजोइ २४टी॰ पोषग्रमावसशनिरविभोमवारहोइतौग्रन्न
तेदूणातिवणाचोगुणालाभहोइग्रन्नमहिंगाथाइ २५ दो॰ शनिग्राइत्राहमंगलैंजेका
धीसंक्रांतिग्रन्नमहिंगोतुछजलदेशेंभंगाकरंति २६टी॰ कर्ककीसंक्रांतिशनिरविभोम
वारीहोइतौग्रन्नमहिंगाहोइमेघथोडापडैदेशोपद्रवहोइ दो॰ जेपुणग्रावेबुधादि ११

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

नैतौमध्यमवीकाल अरु गुरु शुक्र सोम दिन तौ नवखंड सुकाल २७ कर्क संक्रांति बुधवार होइ
तौ मध्यम काल होइ जे सोम शुक्र गुरु वार होइ तौ नौ खंड मे सुकाल दो॰ मृगशिर वायु न वाजीयो
आर्द्रा मेह न दिठ रोहिणी नगाई तपती यां तौ काल निरंतर दिठ २८ टी॰ जे मृगशिर आर्द्रा के दो यांतापेन
वायु न वाज्यो आर्द्रा मे मेघ न वरसे रोहणी तौ काल पडै वर्षा थोडी होइ दो॰ श्रावण मे बुध ऊगी ही
यो भरयो सरसो सेइ जे बुध ऊगो मह वेंद हम दवाकरे २९ जे बुध ऊगो अस्त्त्यें तौ का कर कवल
करेइ ३० टी॰ जे श्रावण मे बुध ऊगे तौ वर्षा थोडी होइ श्रावण का पाणी सूक जाइ जे भादवे बुध ऊगै तौ
दश भादवे करें नदी नवाण तलाव कूप सर्व भरीये वर्षा घणी होइ अस्त जे ऊगे तौ कंवार मे कवल
ऊगे इतना पाणी पडै अथ वर्षा लक्षणं दो॰ रवि आथमते मडली जे ल विंदु पडंत दिवस व
छे पांच मै पाछै घण वरसंति १ टी॰ सूर्य अस्त समै कणी पडै तौ दिन ४ पाछै वर्षा घणी होसी
रह वर्षा को काल लक्षण जाणवो दो॰ जे मुण दिशा पर ऊगंतें गाजै धणुह करेइ सो लोप हरै मडड
ली सारी भू मिरे लापेला करसी वर्षा घणी होइ दो॰ तित्तर वर्ना भडुली जे पछ्छे मदिशा हुंति प
हर अंगारो मध्य घण जल थल इक करंति ३ टी॰ पश्चिम दिशा तित्तर वर्णी होइ तौ हे मडड्डु
ली अंगारो पहर मे जल थल होइ जाइ दो॰ जलचर जल ऊपर भमे आयास रहे जो छेति

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

न०
१२

तोजाणीयेंभड्डलीजलधरवरसेंति ४टी॰ पाणीकाजीवपाणीऊपरभमैंआकाशकौंदेखैतोहे
भड्डलीमेघवेगोआवै दो॰ पहरअगारोकलकलोउत्तरासिहरकरेंति तोजाणीयेंजोभड्डलीज
लधरधरवरसेंति ५टी॰ अगारोपहरलोककलरकरैतोवजोघणोतपैदोपहरपछेमेघवाद
लकाढै तोहेभड्डलीउत्तराद्दिशतेमेघवेगोआवसीपाणीघणोपडसी अथइंद्रधनुषफलं जे
इंद्रआयुधपछ्वदिशरविआथमतैंथाइ ईरांपहरेंभड्डलीपुहवीनीरनमाइ ६टी॰ सूर्यअस्त
समैपूर्वदिसइंद्रधनुषहोइतोहेभड्डलीचारोंपहरमेंअचानकमेघपडैजलथलएकहोसी दो॰
जोसिरऊपरतडलनैऊपरगाजैमेह तोजाणीयेंभड्डलीजलधरसरसोतेह ७टी॰ प्रभातैंघिवै
वागाजैवारुणीपड्डैऊगरतारीआवैतोजाणीयेंहेभड्डलीमेघसबलोआवसीचारपहरमे दो॰
जोदिनसारोकलकलेसंध्यामेलैवायुतोजाणीयेंभड्डलीनहिवरसणरोचाउ ८टी॰ जोदिन
सारोतपतोजाइसंध्यानोवाउछाडै तोकोईकदिनवरसैसेरोसलूकनहीजाणवो दो॰ जेपु
वैंउत्तराद्दिशैंजानसवजैवायु तावनवरसैभड्डलीजेत्रिभुवनरोराउ ९दो॰ जोलोपूर्वोत्त
रकीवायुनवाजैतोलोमेघएककणीनपडै दो॰ रविअस्तमणतेलायलुजावनकुंवरोल १२
वेगोवरसैसलिलघणजणकोपिवेनघोल १०टी सूर्यअस्तसमैपश्चिमादिशातालहोवै तो

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

पाणिघणापडेइ धदाधिघणोहोइ वाइकोइनही दो॰ उबीराऊ गेकिमेखनु इंगीयाभमेतिवेवाहारा
नेलवैतोजलहरवरसंति ११टी॰ पाणीमेवुलवुलाऊ गेषधवाइ ऊगेवाघाधवाइवणीहोइअवैनी
घणीहोइ वेवीहारातनोवोलेतोजाणीयेंवेगोमेघआवसी दो॰ तांबाकोसीलोहरछकाढेमेलति
जैमैलघाडेतोमेघवेगोआवे दो॰ कीडीमुखतंदुलधरेऊचाचढेपयेस वरषणहारावारिवरतेंडी
वोतिणदेश १२टी॰ कीडामुखचंड्र ग्लेऊपरनोचढेतोजाणीयेतिसदेशमेमेघहोसी दो॰ वर
सेमेघमहाखरैं घाटीहोइजुछाछ मंडमेहमहीतलेआवोकंतप्रवास १४टी॰ विडामोटेखरैंवो
लेघाघणवीहोइ तोजाणेजोधरतीमेघमंगासीतोभभोगरहवेगोआवे दो॰ गागरकाजलउकलै
अन्नमासीयिघलाइ मछीजलऊपरतरेआयोमेहसुवाइ १५टी॰ पाणीघडेकाऊचलेअन्नमारी
पघरेमछीपाणीऊपरतरेतोजाणीयेंमेघवेगोआवसी दो॰ काकीडावरनमकरैरूपैचढेसोतुप
वसुहवरसालातणजाणीयेंआनिव्याप १६टी॰ किरलारंगवदलेसयेरूषपरचढेतोजाणीयेंमेघ
घणाहोसी दो॰ घरवाहरमाछरघणाघरकलाउधरंति तिमरीवोलेरातनोघणवरसातकहे
१७टी॰ घरवाहरमछरघणाहोइ घडेकापाणीऊछलेउपरनोतित्तिरातनोवोलेतोजाणीयैंमेघ
वेगोआवसी दो॰ कलसेपाणीऊकलेंगाढेंगाहरराहि सरकेचेदादुररटैतुरतैमेहवरसाइ

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

रा॰
१३ १८टी॰ पणहांडेयाणीगरमहोवैमाहमोरैंस्वरैंबोलै लोनेवकूचेमैमेंडकाबोलैतौतुरतमेहवरसै गांयं
उत्तरमोघमैकज्जलअसियाआरिषणहसीयालैजोइसीपदैवरसालैतोमेह १९टी॰ उत्तरदिशामोघो
करैस्यामनीलेरंगप्रकाशहोइ एलदारणहेतहिस्यालैतोसीजपडैवरषाकालमैहोहितौमेघवर
से दो॰ मोघकरैरचिअच्छमणंइधनुहअकाश संध्यारागसरूपरोजोइसीग्रहरप्रकास २०टी॰
सूर्यअस्तसमैपश्चिमदिशामोघाकरैतिणवरीयांइंद्रधनुषहोवेअकाश लालहोवेतोहेजोता
कीनेंकहजैगिणपापहरांमैमेघहोसी दो॰ सिहरासातपुडाकरैउत्तरदिशअसरालउत्तरनाउवायु
लीकिमैतोवरसाल २१टी॰ उत्तरकानीसातपुडागहराकाढेसिवरवादलनाउन्वाचछत्ताजाइवलीउ
तरदिशाकीपवनवाजैतोगिणपांपहरांमैमेघआवे दो॰ कुंडलरविणपरपापतेहोइविहूपहरेइ
दीसेदिशिअंधावलीघणवहिलोवरसेइ २२टी॰ सूर्यनोकुंडलाहोवैदुपहरसमैचारोदिशअं
धावलीहोइतोमेघवेगोआवे दो॰ जेधरतीधडहडकरैअधिकोउल्कापात पुहरांमाहेमहीयलै
तौवरसैवरसात २३टी॰ जेधरतीधडहडकरैउल्कापातअधिकहोइ तोतिणपापहरांमैमेघआ
वे दो॰ काडीघडीजेवाहडीमांडैथानवरवार तोजाणीजेमडडलीपुहवीहोयघरवार २४टी॰ शनिश्च
रवारलकणीहोइतोमेघघणोवरससी दो॰ कालेसिहरेआथमैरविरत्नडोउगाइ तोजाणीजेम १३

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

डुलीपुहवीनीरनमाइ २५टी॰ कालेवादलांमेसूर्यंग्राथमेऊगैतोजालपाणीयेंहेभडुलीभ्रमभै
पाणीमावेनहीइतनापडै हो॰ जेऊगंतेदिखीयरंपछिमभछकरेइ तोजाणीयेंहेभडुलीपुहवी।
नीरभरेइ २६ टी॰ सूर्यंऊगतांपश्चिमदिशमछकरेमोघकरेतोजाणीयेंहेभडुलीतिण्पाणपहरोंमे
नदीतलावनिमाणसभमरे हो॰ तीत्तरवन्नोमडुलीचहुंदिशहोइएकेंति पहरचचछैश्रछेमे
जलथलएककरेति २७टी॰ हेभडुलीजेतीनरवरणवादलाचहुंदिशाहोइ तोचौथेपहरनाश्री
गमेपहरजलथलएकपाणीकरे हो॰ धंधलयालीभडुलीचहुंदिशएकहवेति पहरचव
छैविचिश्रवेवडुलीनदीवहेति २८टी॰ सारोदिनऊइगाहराहैवारोतरफमहागहराहोइ
तोचौथेपहरमेमेघवरसैनदीनिवालावहे अथहोलीकोफालकोपवनकोविचारलिख्यते
चौ॰ उत्तरवायुवहेजेसुंदरतोनानिपजेसकलवसुंधर पूर्वेवायुपुहवसवडोलेइतिपरिसे
लवसुंधरबोले २९ पछमवायुवहेघणसारोनातेनिपजेमध्यमसारो दक्षिणवायुपुहवजे
वहीयातोहलाहलकालनुपडीयो ३॰ जेदिशलोलैचारोंवावनासेपरफूडैवाव जोरसिपा
ऊंचादिशजाइसवअन्नपरहेछिरपणीचाइ ३१टी होलीमेंगालणकीविरीयांउत्तरकोपवनवा
जेतोनिपरग्राछीतोसारीपृथ्वीमेसमासुकालहोइचारोदिशानीपजेपूर्वेवायुतेअन्नघणो

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

श० १७

नीपजैमेघघणाहोइ पश्चमवायुतेमध्यमसमाहोइ दक्षिणवायुतेमहाकालपडैवर्षानहोइ
अथवाचारोदिशाकीवायुवाजैतोराजालडैप्रजापचैउदेगलसंग्राममहो होलीझालऊंची
तरफकोजाइतोसर्वेराजाग्रापग्रापणीठौडंवैठरहैभाजउदिकउपद्रवघणाहोइ अथदी
पमालाविचरकाव्यंयदिभवतिकदाचित्कार्त्तिकेनष्टचंद्रेरविशनिकुजवारेस्वातियुक्ते
शुभेषु नपयुगालविनसेमूधरेपर्वतानांगजतुरगमहष्यागर्भिणीगर्भपातः ३२ कार्त्तिक
वदि ३० दिनेरविशनिमंगलवारहोवैस्वातिहोवैतोराजाविनाशहोवैछत्रभंगहोइपर्वतत
टैगजघोडामाहिंगाहोइगर्भणीकागर्भपडैमहाउपद्रवहोइदेशांमेकटककाचालाघणाहो
इ श्लो० दीपोत्सववेलायांप्रतिपद्दृश्यतेयदा सातिथिर्बुधैस्त्याज्यायथानारीरजस्वला
३३ टी दीवेकरणकीवरीयोकदाचित्पडिवाऊजाइजाइ सातिथिपंडितात्येत्यागिणीजिमच
तुरनरजस्वलास्त्रीनोत्यागताहे श्लो० यद्दिनेगोकुलीक्रीडातद्दिनेदृश्यतेशशी त्रयात
त्राविनश्यंतिप्रजागावोमहीपतिः ३४ टी० जिसवारेंगोवर्द्धनकैदिनचंद्रमादीशैतोतीन
वस्तुकाविनाशहोइप्रजाराजागाऊररराजायुद्धकरेउदेगलउठै श्लो० प्रतिपद्दितीयायत्री
डतेसुरभीयदि त्रीणितत्रप्रवर्द्धंतेप्रजागावोमहीपतिः ३५टी० पडिवाकेदिनगोकली १७

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

कीजाहोवैतौतीनवस्तुचधै प्रज्ञाचौपदश्राज्ञाइराजामांहोमांहिस्नेहकरै श्लो॰ श्रुतहीना
पूर्णमास्यात्स्वांहीनाकुनाशिनी दीपोत्सवस्वातिहीनाराजहीनायथापुरी ३६टी॰
श्रावणशुदि१५ ग्श्रावणसेतीभलीहोलीपूर्वाफाल्गुनीसेभली दीपमालास्वातीसेभ
ली एतीनोंतीननस्त्रविनापुरीजिमराजाविनानगरी श्लो॰ श्रावणेशुक्लपंचम्यां
विजयादीपहोलिका सौम्यवारेचसुभिक्षंक्रूरेदुर्भिक्षमुच्यते ३७टी॰ श्रावणशुदिपवि
जै॰ दीपमाला३॰ होली१५ सोम्यवारहोंहितोसुकालहोइक्रूरवाररविनेहोइतोकालप
ड़े श्लो॰ श्रावणीप्रतिपद्येंदशमीबालवेधकृत् वृद्धिवेधंदीपमालावेधंप्रतिपत।
हुताशनी ३८ भद्रायांराष्ट्रभंगस्याद्दिवादुर्भिक्षकारकः प्रतिपच्छत्रभंगंचहोलिकानैव
पूजयेत् ३९ रषपड़ीपड़िवावेधनकीजै दीपमालाभद्रापड़िवांमेनकीजैहोलीपड़ि
केवेधमेनकीजैजोकीजैतोतिसकाएफलहोवे राजभंगमहाउदंगलहोइ दिनेकरैतो
कालपड़ैपड़िवावेधमेकरैतोछत्रभंगहोवे अथसमासुकालदुकालचौ॰ विक्र
मकालनुत्रिगुणाकीजैआगेपांचसंयुक्तदीजै सातसरीशेभागहरीजैजोउगरेसोचि
न्हधरीजै ४॰ वबाधेबाधेधनधान्यच्चोकेवरसैमेघवषान पोंचेपांचशब्दङागवाजै४१

तौ मेघघणागाजगाजै एकैं त्रिकैं मध्यमसुकालसुन्यवचैतौनिश्चेकाल ॥१२टी॰ विक्रमसंव
त्सरांत्रिगुणाकरियेचउरूपाधे केरसातकाभागदीजै जेरवचैतौधानधणोघणोहोइ ४
वचैतौवर्षाघणीहोइ ५ वचैतौघरिरमंगलाचारहोइ वचैतौमेघघणोगाजेघणोवर
से १ वचैतौवा ३ वचैतौमध्यमकालपडैकोइनवचैतौनिश्चेकालपडै पुनःदूजीविधि
देखणी सातकैभागादित्यांजेरवचैतौमध्यमवर्षाहोइ ४ वचैतौमालवैकालतथाउत्तर
कालपडै जेरवचैतौदक्षिणकाल शून्यहोइतौमालवैकाल १ वचैतौपूर्वकाल ३ वचै
तौपश्चिमकाल इतिवरसालाकीसाष अथउन्हालाकीसाषदो॰ संवत्द्विगुणोकीजये
पछैपंचमलीज पछैदोइकाटीयेसातभागतिसदीज ॥१२टी॰ जेशरवचैतौधान्यमहिं
गा ४ वचैतौसमभाव ५ वचैतौमध्यमसमा ६ वचैतौसुकाल शून्यतेसाषनीपजी
जावै श्लो॰ तक्षैद्विगुणीकृत्यरामहीनंचकारयेत् मुनिभिश्चहरेद्भागंशेषांकेफलमा
दिशेत् ॥५२ चंद्रावेदे २ चतुर्भिक्षंसुभिक्षंयुगः ख्वाणपयोः रामे ३ रसे ६ मध्यमंचशू
न्येशून्यंप्रकीर्तितं ॥५४ अथसमेकेराजाकाफल रविराजेतेजलदूधधानचढेकाा
लअन्नबोडाहोइ चोराग्निभयघणाराजाआपमेयुद्धकरैं १ सोमराजेतेमंगलीक

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

कार्यहोहि मेघमांग्यावरसैधानरुह्वपलदूधदघिघृतघणा अग्निहोत्रघणाप्रजा।
सुखीभूमैगौमैंसघणीहोइ२मंगलहोइतोअग्नियकरकचालामानसमरै चौरभयराजा
विरोधरोगशीतलाहोइमेघखंडितहोइ३ बुधतेमेघघणाव्यापारघणा लोकसुखीमंग
लघररहोइ राजाचौपदसुखीसर्वेवस्तुवधे ४ वृहस्पतितेमेघधानघणाराजाप्रजासुखी
मंगलीकघणा आतिथिब्राह्मणकीपूजाघणीअग्निहोत्रघर २५ शुक्रतेगढमेंगयुद्ध
घणाधानवृहपालफूलओषधीघणीहोइ शनितेमेघनष्टरोगलोकपीडाल‌डैं कर
कचौरघणालोकपरदेशमेंभ्रमे ७ अथमंत्रीफलरविमेंत्रीनेवाणीयांनोपीडाधनधी
न्यसयवाइपीडासोमतेमेघघणावाणिजतेलाभघणाराजासुखी देवगुरुविप्रकीपू
जाघणीलोकसुखीमंगलीकघररहोवै २ मंगलतेअग्निभयघणोमेघाल्पराजेपीडाउ
ल्कापातसर्वविघ्नरद्धिभयघणा ३ बुधतेमेलाचारघणानीवाहगाहपुसुलीघणी
अंबकेलापूलफूलरसकसस्सताप्रजासुखी ४ गुरुतेधानघणानीपजेंतेलघृतसस्ता
सलोकपुण्यधर्मघणाकरैंराजप्रजासुखी ५ शुक्रतेचणामोठमूंगमसूरविदलधी
नघणाहोइ राजाआपमेंयुद्धकरैंप्रजापीडापावे ६ शनिमंत्रीतेउत्पातघणादुर्भिक्ष

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

मं०
१९

अनावृष्टिः लोहातिलतेलकपासमहिंगेलोकालडैंमरैंराजाआपमेलडैं ॥ अथसप्तवारकु
मारीफलं रविकुमारीतेअनावृष्टिचैतीसुकेकार्तिकतेफाल्गुणतांईमास ५ लोदुकाल १
सोमतेसोनीरूपाहलदचणापीतवस्त्रसर्वेमहिंगाधानमहिंगा २ मंगलतेराजाआपमेलडैं
डुकालछत्रभंगप्रजादुखी ३ बुधतेव्यापारकीवस्तुमेवाधालाभघणालोकसुखी ४ गुरुतेभ
यमिटैरत्नपकलैंरोगदोषसर्वमिटैंधाननिपटघणाहोइ ५ शुक्रतेभयघणामास ६ लोदुर्भि
प्रजानोकुकुछउपजै ६ शनितेनरांनोदुखदुकालछत्रभंगराजविग्रहकष्टकचालाघणा ७
अथजेष्टतथाअषाढमेपहिलीवर्षाफलं रविवर्षेतोदुकाल १ सोमवर्षेसुकाल २ मंगलव
र्षेभयअगिकाघणा ३ बुधवर्षैरोगघणा ४ गुरुवर्षैबालकामरैं ५ शुक्रवर्षैकानकाधारा
मेघवर्षै ६ शनिवर्षैमहादुकालपडैनरकोईनजीवै ७ अथजेष्टवदिपडिवाकाफल रवि
वारीतेवायुघणीवाजै मंगलवारीतेभ्रमभैरोगघणा बुधवारीतेदुर्भिक्षपडै सोमशुक्रगुरु
वारीतेमेघधानघीणाघणा जदेवयोगतेशनिवारीहोइतोवर्षानहोइप्रजानाशछत्रभंग
अथएकमासेपंचवारफलंदो॰ पंचशनैश्चरपंचरविपंचेमंगलहोइ चावकचेहोइमेदि
नीविरलोजीवैकोइ १ रविपहोइतोरोगघणा मंगलपहोइतोमहाभयउपजै शनिपपडै १९

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

तौयत्नरसकसमहिंगाहोइ सोमपपडैवाबुधपवागुरुवाशुक्रपपडैतौभलेमंगलकारीक
ल्याणकारीरसकसघततप्रमुखसर्वसस्ताप्रजासुखीउदेगलमिटै जिसमासैपशनिपरवि
दूजेमासपडै तीजेमासमंगलहोइपडै गुरुतीनोभामापाछादरवोतकरिपडैतिणरोफल
भ्रममेघमसाणमत्तेचत्रावतप्रदेशाभ्रमेंप्रजादुखीलोकलेरमुंडकरै अथचैत्रवदिपडिवाका
फलदो॰ चैत्रमासेमङ्गलीजोपहिलीतिथिहोइतजोईजैसघरदिनकवनहवारेकोइ१ आदित
वारकरैसंतापमंगलवारकरैअतिपाप जोबुधवारीपरैदुकालराजाणोतुमसहीविचार२
सोमेशुक्रैसुरगुरुहरैत्रिहुंइक्कविहोइ तोधणधन्नरसावलोमहीयणदीसैलोइ३ अथवाजोदे
वेवसैथावरहोइनिरत्त अथवाबांधणभ्रहिमरणादेसैभंगनिरत्त४दो॰ चैत्रवदि१रविवा
रीहुइतोमहासंतापकरैप्रजादुखित्तीरहै मंगलवारीअतिपकरैवर्षोघोर्वडोरोगघणाबुध
वारीतेमहाकालपडैचोपदबधैसोमशुक्रगुरुवारीतेधनधान्यघणाप्रथवीसुखीहोवै अ
वादेवसंयोगतेशनिवारीहोइतोदेशवेधनहोइवामरणहोइ छत्रभंगराजविरोधदेशभंग
प्रजादुखीहोइ अथवोलसंक्रांतिफले वोषसंक्रांतरविवारीहोइतोछठेमासमेधानतेढि
गुणोत्रिगुणोलाभहोइ शनिवारहोइतोअन्नतेचोगुणोछठेमासलाभहोइ बुधशुक्रवारहो

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

न॰
१२

इतौअन्नसस्ताहोइ मौलघोडावढीये गुरुवारीहोइतौअन्नकादामअधावटीये अथसर्वसं
क्रांतिफलं रविवारीसंक्रांतिकोनामघोरहीहैतिसमेयुद्धसंग्रामघणाधानमहिंगाप्रजादुषीवा
म युघणी १ सोमवारीहोइरीनामहे धानसस्ताप्रजासुषीराजाराजप्रजासुषीरोगकोईहोवेसक
ससर्वसस्ता २ मंगलवारीकोनामघोराकहीयेभयघणाघततेलगेहूंगुडमसूरतोरललालव
सर्वमहिंगाभ्रममेउदेगलसंग्रामकटकचालाचोरघणाव्यापेरे ३ बुधवारीमंदाकिनीकही
ये सर्वरसकसमहिंगाकपडासस्तामंगाहरयावस्त्रमहिंगानीचांनोभयघणा ४ गुरुवारी
कोनाममंदाकहीये व्यापारेलाभप्रजाचेनपीतवस्तुसर्वमहिंगीवृष्टपावेलोकसुषी ५ शु
क्रवारीमिश्रकाकहीये मंगलीकघणाचोपदकीवृद्धिअन्नसस्ताघततेलसर्वमहिंगाव्यापा
रीसुषी ६ शनिवारीराक्षसीकहीये धानमहिंगासुषहानचोरईत उपद्रवघणाभ्रमहेउमुंड
होइतिलतेलकपोसलूणसर्वमहिंगा इतिसंपूर्णं श्लो॰ नमाघेपतितंशीतंज्येष्ठेमूलनर
क्षितं नाद्रायांपतितंतोयंनदाकालोगतःस्मृतः १ टी॰ माघेपालानपड़ेमंज्येष्ठमेमूल
नतपे आद्रामेवरसेनहीतोएकालकेलक्षराजाणवो कवे माघशीतफाल्गुणेमारु
तोमंत्रभचैत्रेमाघनेपंचवर्ण जेष्ठेतापःस्यात्मगेरुद्रवाप्पुराद्रैंचवृष्टिस्याच्छुभिक्षनि १२ न॰

वोध ५टी॰ माघैशीतपडैफाल्गुणैघणीवायुचलैचैत्रनिर्मलोजाइ वैशाखमैपंचवर्णवादलहो
इकणीपडैतेगतयैमग्गशिरावाजै आषाढमैमघवरसैतोणकावेलक्षणजाणवो २ काव्यं भौमेमा
सोन्यथातकुशलरूतकोसंक्रमेवृश्चिकेस्यादाषाढेसोमपूर्णेप्रशरनयवनेदुर्दिनेसर्वयामा
न् रात्रौवज्राभ्रवेशोमनुजसुखातेसौम्ययुक्तेवसंतेचिन्हैरेतैसुकालोजगतिसुभकरोवर्षलोके
तिकायो ९टी॰ आषाढपूनमकेदिनसौम्यवारहोइपवैकीवायुचलेसेरादिनगाहरातहोआज्ञे
रात्रैलागैमृगशिरमैसूर्यहोइ एचिन्हैसुकालकहयाएककृतिकामैछांटाहोइतोसर्वजगतमै
भलाजाननणसुलक्षण अथतिथिमासलक्षयफलं श्लो॰ यस्मिन्संवत्सरेस्यातोद्वौमासोत्र्यधि
कोभवेत् एकहीनाथवामासासदासंहरतेजगत् २ टी॰ जिसवर्षमेदोइमासहोंहिएकमास
घटैतोसारीभूमकोसंहारकरैमहाउपद्रवकरै श्लो॰ मार्गादिपंचमासेषुशुक्लपक्षेतिथिक्ष
यः दुर्भिक्षछत्रभंगंचजायतेराजविग्रहं ३टी॰ मार्गशिरतेलेकरपंचमासलौकोईचांदनी
तिथिघटैतोदुर्भिक्षछत्रभंगराजयुद्धहोइ श्लो॰ पौषमाघेभाद्रपदेशुक्लपक्षेतिथिक्षयः तिथि
लुलैसलशमासैनैपनस्तुचरोरवे ४टी पौषमाघभाद्रोंमैजोचांदनीतिथिघटैजितनीति

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

न०
१८

घघडै तितनमैमासेराज्ञकालपडै लोकमरैरौरवकालप्रवर्त्तै श्लो॰ अनेकदिनपक्षेषुकदा
चिद्दैवयोगतः त्रयोदशदिनेपक्षेत्रयंसंहरतेजगत् १टी॰ अनेकदिनपायेकदाचिद्दैवसंयोग
तेतेरांदिनकोपक्षहोइतोतीनभुवनकोनाशकरै श्लो॰ मासेकेनैवमध्येतुक्षयाहीद्वौतिथ
स्तथा तेमासैवैवचतुर्भिर्क्षेवर्षाकालेविशेषतः १टी॰ एकमासमेदोतिथ्यांघटैकालपडैवर्षा
कालमेविशेषकरके श्लो॰ यतियुगसहस्रेणपक्षमध्येतिथिद्वयं छत्रभंगकरोत्सवरुंड
मुंडाद्यमेदिनी १टी॰ जेहजारवर्षजावैंतोएकपक्षमेदोतिथ्यांघटैं तोछत्रभंगरुंडमुंडहोवैसा
रीपृथ्वीमेहाहाकारवर्त्तै श्लो॰ त्रयोदशदिनापक्षाकौरवाःप्रलयंगताः रामरावणयोर्युद्धमना
वृष्टिस्तुरौरवे ५टी॰ तेरांदिनकोपक्षहोइतोमहासंग्राममचैतिसमेकौरवांकानाशभयारा
मरावणकायुद्धवातिसमैवर्षानहोइकालपडै का॰ यदिपक्षमध्येद्वौतिथ्यौघटंतितजन
क्षयेरौरवसंभवंति पक्षेविनष्टेमरणंनृपाणांमासक्षयेम्लेच्छवतीचपृथ्वी १टी॰ पक्षमे
दोतिथ्यांघटैतोनरांकाक्षयहोइकालवर्त्तै जेवर्षमेपक्षघटैतोराजामरै जेमासघटैतोए
थवीमेम्लेछपणाप्रगटैकोकीपापबुद्धिहोइ श्लो॰ एकपक्षेयदा यांतितिथ्यस्त्रयोद १८

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

शः त्रयस्तत्र सूर्ये यांति यातिनो मनुजाः गजाः ॥ २टी॰ एक पक्षमै जेते रांतिया होहि तो घोडा गाज म॥
नुष्पती नो कानाश होवे अथ सूर्यशशिकुंडलाफलं काव्ये रविशशिपरिवेषः प्रथमयामेषु
पीडा रविशशिपरिवेषः वृष्टिरुक्ता द्वितीये रविशशिपरिवेषः धान्यनाशं तृतीये रविशशि
परिवेषः छत्रभंगो चतुर्थे श्लो॰ श्रीसूर्यपरिवेषाय फलं वक्ष्ये समासतः स्नेहान्नं महर्घं स्याती
नरोगकरस्सदा टी॰ सूर्यको परिवार होइ तो अन्नमहिंगा होइ सूर्यकुंडलो पीला होइ तो रोग करे
श्लो॰ श्वेते शुभतरं ज्ञेयं रुक्मे राज्यापहं भवेत् नीलवर्णो महावृष्टिः धूम्रवर्णे च धूमरी श्लो॰ श्वेत॥
कुंडले ते महामेघ वरसे रुक्मवर्णे ते राजे मरै नीलवर्णे ते वर्षा घणी धूम्रवर्णे ते धूमाधामी
म चे उपद्रव करे ३टी॰ स्वल्पे स्वल्पफलं सर्वे बहुधा च बहुः फलं दूरस्थमंडले नत्र स्वदेशे वि
न्यवर्त्तते ४टी सूर्यको दोलो कुंडलो थोडो होइ तो अल्पफल करे बहुत होइ ते घणो फल करे
सूर्य ते दूर मंडल होइ तो स्वदेश परदेश में फल करे श्लो॰ अत्यासन्ने फलं ज्ञेयं मंडलाधिपते र्भ
हत् छिन्नेमंडलभावेन धान्यादिस्यानो घितं फलं ५टी॰ अतिनिकट होइ तो राजा नो बडो फल क
रे जे दुहरा निहरा होइ तो धूणा ति बणा फल करे श्लो॰ अर्द्धखंड फलं ज्ञेयमतिदूरेति निष्फलं
अमावास्यां चतुर्दश्यां कृष्णपक्षे च पंचमी ६ परवेषशशो सूर्ये विग्रहे पथवीपतेः रविमंड
कुजे चिन्हे तत्र तत्र च दृश्यते ७टी॰ सूर्य दोलो आधो कुंडलो होइ तो खंड न फल करे सूर्य ते दूर हो

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

न० १५

इतौ निष्फल होइ पुनः अंधारे पक्ष मे अमावस के दिन चौदशा के दिन पंचमी के दिन चंद्रमा सूर्य रो
लो कुंडलो होइ तौ राजा आपमे विग्रह करैं रवि मंगल शनिवार होइ तौ विग्रह होइ श्लो॰ अमा
वास्याष्टमी चैव मंदार्क कुजवासरे परिवेषं शशी सूर्ये पश्चिमे विग्रहं भवेत् ८टी॰३।१८ रवि
भौम शनिवारी होइ तिसदिन सूर्य चंद्र रो लो परिवेष कुंडलो होइ तो पश्चिम मे विग्रह करे श्लो॰ त्र
योदशी पंचमी चतृतीया च चतुर्थिका मंदार्क कुजवारे दक्षिणे विग्रहं भवेत् ७।३।१३।४ शनिर
वि भौमवार होइ तौ दक्षिण मे विग्रह करे श्लो॰ कंपयेत्पृथ्वी सर्वा प्रचलेनित दा प्रजाः द्वितीया
द्वादशी पूर्णा मंदार्क कुजमेव च परिवेषं शशी सूर्ये विग्रहं चोत्तरे भवेत् टी॰ सारी भूम कंपे प्र
जा चलचित्त होइ तस्यार्थः २।१२।१५।१।०।१५ इन दिनै रवि शनि भौमवार होइ अरु सूर्य चंद्र रो
लो कुंडलो होइ तौ उत्तर दिशा विग्रह लडाई होइ श्लो॰ प्रतिपन्नवमी चैव दशमी एकादशी तथा
परिवेषं शशी सूर्ये मंदार्क कुजवासरे पूर्वमेवाङ्गुणैर्वेराटे विग्रहस्सदा १२टी॰१।९।१०।
११ शनि रवि भौम होइ सूर्य चंद्र रो लो कुंडलो होइ तौ पूर्व मेवाड गुजराण बुंदेलखंड वैराट इन
देशमे विग्रह करे अथ मंडल विचारे श्लो॰ कृत्तिका च विशाखा च पूर्वाभाद्रपदस्तथा म
घा पुष्यो च भरणी च पूर्वाफाल्गुनि रेव च १ यद्यत्र चलते वायुः परिवेषं शशि सूर्ययोः भू
मिकंपो थ निर्घातः उल्कापातो भवेद्यदि २ सूर्य चंद्रमा ग्रहण धूमकेतु अश्व दर्शने रक्ता च १५

ष्टिः रजोवृष्टिः कर्कराणां च वर्षणं ३ तारिकापतनं चैव चलत्सृष्टिं विनिर्दिशेत् कपालहस्ति
हस्त्यंनेत्रसुधयापीडितजनाः ४ सिंधुनायमुनाचैव कुंजाकांचोजवाल्हिकाः जालंधराश्रुक
श्मीराः समस्तेचोत्तरापथः ५ माघवेकाचवसौराष्टुं कौरवं भैरवं गणं एतेनत्रविनश्यंतितस्मात्
स्यात् दर्शनात् टी॰ कृत्तिकाविशाखापूर्वाभाद्रपदमघापुष्यभरणीपूर्वाफाल्गुनी ७ इन्होंमते
कोमेपवनवाजेदुरांतग्रंथीवगोसूर्यचंद्रदोलाकुंडलाहोइइसोउपद्रवदेखीये भूमिकंपानिघा
पडेचंद्रसूर्यग्रहणाहोइ धूम्रकेतुकोतारोउगैलोहूकीवर्षाहोइ ताइतारातूटैइनवीचते
जेकोईएकहोवे तोतिसवर्षमेवर्षायोरीहोइ लोक.चीकरालेकेसर्वभूपेमरैमांगेविण
किसरदेशमे जालकादेशजालंधरकश्मीरउत्तरापथसमस्तमालवेसोरठकौरवभैरव
इनदेसैंदुपद्रवीडाउपजै स्वातिनयमेउत्तफलंफलं श्लो॰ हस्तचित्रातथा स्वातिर्मृगोचाश्विपुन
र्वसुः उत्तराफाल्गुनीरेवतीतथाश्विनिरेवच १ यद्यत्रचलितंकिंचिद्विकारंचमहाभवेत् वायव्यं
तद्विजानीयात्तस्यवक्ष्यामितत्फलं २ महावातेनपद्माश्चातेमेरुद्रयमुपस्थिते इत्यतंतितदामे
घानवर्षंतिमहीतले ३ प्रसादशैलश्रृंगाणितोरणाट्टालकानिच वायुनाधूयमानाश्चपतं
तिचमहीतले ४ देवाविप्रास्तथाचद्वाराजानोमनुजास्तथा नश्यधर्मोसदासर्वेहाहाभूते

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

न°
२०

भवेन्नरा ५ पंचालाःशूरसेनाश्च उज्जैन्याम्लेच्छवर्वराः पारसीमागधाश्चैवमरुज्ञाविडकास्त
था ६ कर्णाटिकास्तथाप्रोक्ता अन्येचविंध्यवासिनः एतेदेशाविनश्यंतितस्मादुत्पातद
र्शनात् ७ टी० हस्तचित्रास्वातिमृगशिरपुनर्वसुउत्तराफाल्गुनअश्विनी ७ इनोंनक्षत्रोंमैजे
कोईउपद्रवहोइतोवायव्यमंडलकहीये तस्यलक्षणमहावायुवाजैमारीभयउपजेचंद्र
सूर्यकेकुंडलोहोइभूमकंपहोनिघातउपडैविजुलीपडैशशिसूर्यग्रहणहोइधूमकेतुकोतारोऊ
गे लाहूवर्षैधूलकंकरीवर्षैतारापडै इनमैतेकोईएकबातहोइवैतोजाणीयेंमेघघणा
उठैपिणकणीएकनपडै इनमैतेजेकोईएकहोवैतोजाणीयेंमेघघणाउठैपिणकणीए
कनपडै पवनकरिघरदेहरेपर्वतकेशृंगतूटैवनेरुरोषेदहै वाहकारधरतीतूटैदेव
ताकीविपक्कीपूजाघटै वृक्षघोडाफलैं राजाकीमतिधर्मतेभ्रष्टहोइ राजाअन्यायश्र
नीतकरैसर्वलोकधर्मतेनष्टहोवै भूमिमेहाहाकारवर्त्तै कुणरदेशमे पंचालदेश
शूरसेनमगधामारवाडाउज्जैनम्लेछवरवरपारसीककर्णाटविद्याधरदेशाविं
ध्याचलपर्वतइतनेदेशविणसै इतिवायव्यमंडलफलं श्लो० अश्लेषांचैवमूलंचपू
र्वाषाढासथैवच रेवतीवारुणीरौद्रंतथोत्तराभाद्रपदं १ यद्यत्रचलतेकिंचिद्विकारो २०

यदि वा भवेत् वारुणी तद्विजानीयात् तस्य वक्ष्यामि लक्षणं २ बहुक्षीरस्तना गावो बहुपुष्पफ
ला द्रुमाः आरोग्याश्च प्रजायंते बहुसस्या च मेदिनी ३ कीटिका मूषिकाश्चैव शलभा कुर्कुटा
स्तथा भयं च कामरूपा व्याघ्रा पिपीलिकास्तथैव च ४ एते स्वल्पे प्रगच्छंति वर्णवेगभयाद्द्रुतं
धान्यानि च समर्घाणि सुभिक्षा पृथ्वी भवेत् ५ बहुनारी भवेद्भर्ता विपरीत योपि न हि क्वचित् का
राष्ट्रिकाश्चैव तन्त्रान्ये सिंधुसागराः ६ उद्रेकं च महिछत्रे तथा नारीपुरं पुरं एते दशा विनश्यं
ति तस्मिन्नुत्पात दर्शने ७ अतिजला भवेत्पृथ्वी जीवयोनि समन्विता मरुजा कोलिकाश्चै
व सौराष्ट्रकं कर्णं तथा ८ सिंधुसागरकं चैव अहिछत्रं चडंवरं सुविस्तरं च एतानि वारु
णीमंडले तदा ९ टी ज्येष्ठा मूला पूर्वाषाढा रेवती शतभिषा आश्लेषा उत्तराभाद्रपद १ रुजा
न्यां नहत्रां मे पवन वाजे चंद्र सूर्य दोला कुंडला होइ भूमि कंपे निहा वपडै विजुली पडै भूमकं
तु के गो लो हू वर्षे धूलकं करी वर्षे तारा पडै इसका नाम वारुणी मंडल कहीये तस्य फल
लक्षणं गांइ भैंस का दूध घणा वृक्ष फूल फलै घणा प्रजा चैन धान घणो नीपजै कीडा मूसा ति
डी कूकड़ा चीतरा हुरमा राजसेर की डी एथलने जानेरहे भयनेधानसस्ता होइ सर्व भूमन मे

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

न॰
२१

काश्मीर सोरठ सिंधु सागर उग्र
सुभिक्ष होइ स्त्री घणी होइ वली धूम मध्ये पिण किमार देश मे
देश अहिछत्र नागौर इन देश विनाश पामे सर्व भूमि जलमई होइ जीवाकर सहित होइ मरु
जदेश कोलक देश इन मे आड होइ १ इति वारुणी मंडल फले श्लो॰ जेष्टा च रोहिणी चैव अ
नुराधा च वैस्णवं धनिष्टा चोत्तराषाढा अभिजित्स प्तमस्तथा १ विकारं च भवेत्त त्र महेंद्र मं
डले तथा प्रजा प्रजा प्रमुदा सर्वो भय रोग विवर्जिताः २ सिंधुं कुर्वंति राजानो सुभिक्षा पृथवी
भवेत् समुद्रा मागधा श्चैव मध्य देशस्तथैव च ३ कुरुक्षेत्रं समस्तं च पाणिग्रस्यं तथैव च ए
ते देशा विनस्यंति तस्मिन्नुत्पात दर्शने ४ अति जला भवेत्पृथ्वी जेवयो नि समन्विता सिंधु
सागरकं चैव अहिछत्रे चरेवरे ५ सुभिक्षस्व एतानि महेंद्र मंडलसाख्या अग्नेयो वि
मासं च वायव्यं द्वयमासकं ६ वारुणी मासमेकं च महेंद्र सप्त रात्रिकं अग्नेयो पीडनेया
म्यां वायव्ये पुनरुत्तरा वारुणी पश्चमा तत्र पूर्वे माहेंद्र मंडले श्लो॰ ज्येष्टा रोहिणी अनु
राधा श्रवण धनिष्टा उत्तराषाढा अभिजित् ७ इनों नक्षत्रों मे पवन वाजै ग्रहण होइ सू
र्य चंद्र दो लाकुंडला होइ भूमिकंपे जिमी गाजे धूमकेतु तारा ऊगै चोटी वाला तारो ऊगै २१

रुधिरधूलकंकरोंवर्षैतारापडै इसकानाममहेंद्रमंडलकहीयै प्रजासुखीअरोगपरहैराजा
कोसिद्धसर्वभूमिमेसुभिक्ष कुणदेशमेउत्पातहोवैपृथवीजलकरपूर्णहोइ समुद्रदेशमगा
धमध्यदेशकुरुक्षेत्रसमस्तपांचीपश्चादिःजीइतनेदेशामेउरंगलहोइजीवयोनिसर्वसुखी
अग्निमंडलकोफलमास३मेहोइ वायव्यमंडलकोफलदोमासमेहोइ वारुणीमंडलफल
मास१मेहोइ महेंद्रमंडलफलसप्तरात्रिमेहोइ अग्निमंडलदक्षिणपडै वायव्यमंडलउत्तर
पडै वारुणीमंडलपश्चिमपडै माहेंद्रमंडलपूर्वपडै इतिमहेंद्रमंडलफलं अथमासाधि
कफलं श्लो॰ द्वौचैत्रेचमध्यमस्यंवैश्यानामुदयंभवेत् द्वौवैसाखेशुभंधान्यंफलेमासा
धिकंवदेत् १ द्वौज्येष्ठेमरणंराज्ञः द्वौषाढेजलवर्षणं द्वौश्रावणेचदुर्भिक्षाथपृथ्वीविन
ति २ द्वौभाद्रपदेधान्यानिसर्वेकामफलप्रदा द्वौचाश्विनेपरचक्रेचौराणामुदेभवेत्
३ अथोत्पातफलं काव्ये गर्जेतिकूपोयदिभूमिकंपोपतंतितारादिनास्तकाले निर्घात
शरेप्रतिमाहसंतितेदेशनाशेमुनयोवदंति १ दिग्दाहसूर्यपरिमंडलधूम्रकेतुः निर्घा
तमाहिपवननादयिभूमिकंपः राज्ञोयदाउत्पातिकाकादिवाचतारादुर्भिक्षराष्ट्रमरणा
दयिछत्रभंग २ ग्रहवेधकरूरयोरोहिणीतारामंडलशनैश्चर वेधैतोफलेकाइ बीजाभी

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

नं०
२२

ग्रहवेधनोभंडोईहो आषाढतीजरीरोहिणीवेधैतोलेकोपडै मंगलशनिवक्रेतोप्रजा
पीडपावे मंगलशनिराहुएकराशमेंआवेंतोकर्त्तरीयोगथाय उगममदिशाऊगतोग्र
हे जोतीनेईउमरादीसेहेवशनिवीचगुरुउपरभोमतोमुसलयोगकहीये मेषमेंश
निवृषेगुरुमिथुनेभौमइसीतरोप्रथमचरणेशनिदूजेचरणगुरुतीजेभौमइसीतरोपहि
लोनक्षत्रेशनिदूजेगुरुतीजेभोमइति अथवापश्चिमदिशअस्तसमेनीचेभोममध्य
गुरुऊपरशनिदीशेतोभोमूसलयोगकहीयेवाप्रलेयोगकहीये जोवलेसूर्यआगलभो
मकोतारोएकनक्षत्रथकेअंतरेरविपादांतरआवेअंगारीयोगकहीयेतिसयोगमेमेघ
नवरसे दो॰ आगलरथमंगलपडेपछलपडेभान उनमीयायोहीरहै वूठ्याभीअ
प्रमान १ वलीअतिवायरोवाजैतोउत्पात धूलकोवरसारुधिरवर्षेआकालैविजुली
खिवेविनुवादलगाजैघरतोधरतीधडहडेधूमकेतुकोतारोउगैतोकालपडै तेरापडै
आकाशेदेवयक्षगांधर्वनगरदीसेदिनेतारादीसे चेडसूर्येग्रहणदीसेगृस्याआथ्या
मेडूगेग्रस्यातोउत्पातहोइ दो॰ रात्रेबोलेवाइस्यादिनसेलवेस्याल देसधनीराजामरेअ
थवापडेदुकाल १ वलीरात्रेइंद्रधनुषदीसेनेडसूर्येदोलाकोडलादीसेकालास्वेत २२

गताएहभलानहीयोलैरोगनीलैमघरुआवै वडीरात्रिनोतीनरवोलैरात्रिनोगोभैंसाघोडाही
सतारहै काकबोलैंभूतनाचैघरटीवात्रिनीसारीरातनैंसांभलीजे तौउपद्रवकहीये वाजातरे
जानवाइरिनैगिरउबोलैंउद्यानकाजीवनगरआवैरूपतेथमनीकलैमेंडकनाचैचोटी
दीसेवाम्रत्तेहसैवामाहोंमांहिभिडैविपरीतदीसैउत्पातकहीयै वाध्यानकाग्रामपसरीपाद्दी
सेअकस्मात्कूपसरोवरकापाणीसकैदेहरांकेंपेईंडपडैघरकेपेञतमाकेपेभूमिकेंपे
तौदेशछोलै तथाजीवविपरीतदीसैतौविपरीतउपजे घोडीकेरडोजणेगाइभैंसाजणैभैं
समाहेजणेएविपरीतउपजैतौउत्पातहोइ वेमाथावातीनउजैतोएहवोपुहवोपुरुषजन्मेउसी
तहै अरवमेवरुफलैविपरीतफलौलैगोऊंबेवेनालेरनलेरेंअवलागैतौउत्पातहोइ स्यालै
उन्हालैस्यालाहोइतौउत्पातरोगवधे चंद्रसूर्यऊगतानाचतादीसैवाधूमानिकसैमंडलैते
वामेंऊतेमेछिद्रदीसैतौउत्पातहोइ मगीथाइसंग्रामथाइअकालेंअंधारोघणोघादिनने
थाइतथारातैंतोप्रजानाशकरै रूडामानेसंअपजपाणीकीहींसउपजेफेरभूखघणी।
लागैतोदुकालपडै दिग्दाहदीसैव्यंतरशेवैवालकअपनेमारकरैं चेटलडाईकरै
काकध्यानकासेनाकरैमनुष्यवधघणोथाइवहेघणोनाशपावैविजुलीघणीपडैतौ
वधथाइशुक्रचंद्रनेपश्चमेउदैअस्तहोइतौउत्पात शुक्रगुरुएकठादीसैतौउत्पात अक

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

स्मानशरीरेथकी निकसै तोउत्पात जोभूत प्रेत पिशाच घरें दीसे वा शब्द सुणीयै तो लक्ष्मीजाइ जे
घरैं घोडी ऊंटणी गोछागी भैंस अणव्याई दुग्ध देवै तो गामधणीनै देशधणीनै भारी करनै।
कोइ पसी माघें घेकी लट चौंच करीयें चैतो तेहनै कष्ट होवे जो नील टोस कोडीयो मोर सारस
हेस चील्ह भस्म सहित जेहनै माथै बैठे तो राजा थाइ जे माथे ऊपर काक किरला घूघी परेवो
घूघू चिबघर जेहनै दीसे तेहनै कष्ट उपजे प्रभातैं उत्त तो जे शब्द सांभलै तेहनो फल लाभ हो
इ वामं जे काया वाचटै तो स्त्री कष्ट पावै पिंघडे कर काक बोलै काक स्त्रान्दूगणा करै तो घर
धनीनै कष्ट रात्रैं घरें उजवालो दीसे घरधनीनै कष्ट जे घर मे सिउं कलागे तो घरस्तनोक
रे घरमैं प्रवोक मंडो चील्ह न्नाडे देवै तो कष्ट धनी कुटुंबनै उपद्रव होइ जे काक मैथुन क
तां दीसे तो देषणवालो छ मासमे कष्ट पावै जे चील्ह काला सर्प नगर मे आणि राषे तो
राजानै दंड वरे घरमै राषै तो घरधनीनै कष्टै सिज्या पर राषै तो स्त्री को सोक णा दूजी
आवै अकस्मात वस्त्र बलै तो देहीकष्टै कुसुंभलच वस्त्र बलै तो स्त्री कष्टै सतीर भाजे
देहरा फाटै सिंहासण भाजै तो याम पलट होइ अकालें कुत्ता प्रसुष आवै तो देशभं
ग काव्यं स्त्रीप्रसूतः यदि कार्तिके वा सिंहेण वा कुंजर मार्गशीर्षे अपि चैत्रके महि
षी च माघे मार्जार ज्येष्ठे खर श्रावणे च २ उष्ट्री अश्व पौषे व्रजमी न सूर्ये एते प्रसूता यदि

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

वाभवंति पतिचनाशंअथवास्वनाशेहताश्रपुत्राश्चनधान्यनाशः चौ॰ श्रावणघोडीभादौ
गोऽमाघमांहिंत्रीभैंसवियाइ सुणभरुऊलिफलइद्ध सूणाइ ऋापमरेकैवसमैंघाइ २ अकसै
नूररवाजाउघरेउमिजैघरकउकजारहैघरमेमघथालेलागैतोघरधनीकष्टेशब्दउठैनिहाबा
घडेघरमेस्यालनाहररवैगेस्वानप्रमुरवघरमेरोहे गाईस्त्रीकष्टे वाऊअपलेशरीरतेगीतवादि
त्रसुणैतोकष्टे हथ्यारस्यानतेनिकलैआपैचल्लैकरकरेतौसंग्रामउपजै कमादनीसरेदोमु
खासर्पदीसैमुर्गाकुकुंटदीसैतोभयकरेदेशनेकष्ट ज्वारवीजीवाजरीऊगोगेहूंतेशालनी
पजैतोकालपडैराजाविदूरै चैत्रमासपहंरागोडीयोदीसैतोभयकरे वावडीरूपकोपाणीर
क्तदीसैतोकालपडै बाघडेकेनीननेवहोइतोदेशनेघणाभय अरहटस्वमेवाफिरेतोलोक
भूमे वसघरपरगोवडैतोघरधणीनैभयउपजैकष्टे जोवादलसंखवतुवालेतोलोकक्षय
करे जोवादलसर्प्परूपहोइतोकष्ट जिसवस्तुमैसर्प्पणीव्यावैसोवस्तुवहुतमहिंगीहोइ
ज्रोवस्तुवेचनोघीकहोवैतोवस्तुमहिंगीयाइ जेकवूसरोवरमेवृत्तउल्कापातदीसैतोसर्व्व
मघाइनगरधनीकष्टपावे इत्युत्पातलक्षणं श्रीनारायणायनमः धूमयंतेनदेशाः
शानर्टहानिरीक्षते यस्मिन्देशास्थितः शोरिसचदेशोविनश्यति १ स्वयचक्रेपरचक्रे

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

२४

दुर्भिक्षे राजविग्रहे अनावृष्टौ चातिरोग्यां स्यात् पतिप्रलंभे सदा रुद्र तिरोऽनिचक्रं॥ राम॥

नैऋती नाशः बंधं १ मठार ३ षरघन माल वकेर बलमी ४ प्रकाश ५ मनुक ६ सोहौर ९ रेवती अश्विनी भरणी ३

ईशाना गोमद्वारा कुरुक्षेत्र २ श्रीकेच ३ हस्तनापुर ४ अनमथ ५ एकपद ६ स्वाती विशाखा अनुराधा ३.

उत्तरा नेपाल २ खीर ३ काश्मीर २ गांजेल ४ कुराशान ५ मथुरा ६ मृ ७ खस ८ कोदार ९ मेरु ९ हिमाश्रया: ११ पू.फा.ह.चि.

वायव्य कूण जलेध २ नरासर ३ वेलुसमुद्र ३ मेरु संग्रा ४ गुजरात ५ उत्र ६ मिरु ७ सरस्वती ८ श्लेषा मघा पूर्वाफाल्गुनी ३.

पूर्वदेश ११ लवेर ३ वेवार ३ कामरू ४ वैरू ५ मगध ६ नवस्थ ६ वनेवास ७ रेवातर ८ उत्तराफाल्गुनी हस्ता चित्रा पूर्वाफाल्गुनी ३

अयोध्या १ मिथुला २ वेपार ३ कौशाम्बी ४ कौशी ४ अहिछत्र ५ खेतर ६ वेर ७ गया ८ मेषला ९ कैम्पकूर्म १० प्रयाग ११ एते भुवमध्ये देश ग कूर्मस्या मध्यगता कृत्तिका:

कृत्तिका रोहिणी मृगशिरा एते नक्षत्र कूर्म नागगता: ३

पश्चिमायां रेतो ८ अर्बुद २ ९ रकधर ३ अवन्ती ४ पूर्वर मालव ५ पराशर ६ घर ७ धुंधुकी ८ सौराष्ट्र ९ सिंधु ९ स्त्रीराज ११ जलस्था: ११ अश्लेषा पुनर्वसु तिष्य ३

अग्निकूणा अंगवंगे मालिनी कुज ४ कशालप जाहल उज्जयिनी ७ प्राग्ज्योतिष का ८ उदय देश २ उत्तरा ३ आषाढा धनिष्ठा श्रवण

दक्षिणे देश २ कुद्वार ३ वान ४ ताप्ती ५ लोका ६ त्रिकूट ७ श्रीपर्वत ८ मत्स्य ९ केरल ८ म किंकिंधा ९ पूर्वभा १ २४

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative



CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative



CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative